खबर एक्सप्रेस

अदाणी समूह का मार्केटकैप करीब 20 लाख करोड़ रुपए हुआ

अहमदाबाद। अदाणी समूह की कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में तेज वृद्धि देखने को मिली है और इससे ग्रुप का कुल मार्केटकैप बढ़कर करीब 20 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और निवेशकों के विश्वास के कारण अदाणी समूह का बाजार मूल्यांकन इस वर्ष की शुरूआत से अब तक 5 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया है। समूह की कंपनियों में, इस वर्ष अदाणी पावर ने बाजार मूल्यांकन में सबसे अधिक योगदान दिया है। कंपनी का वर्तमान बाजार पूंजीकरण 4,79,167 करोड़ रुपए है, जो इसे समूह की सबसे मूल्यवान कंपनी बनाता है। इसने 2026 में अब तक अपने बाजार पूंजीकरण में 2,02,511 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) 4,20,611 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज का मार्केट 3,82,634 करोड़ रुपए है। इस साल की शुरूआत से अब तक अदाणी एंटरप्राइजेज का मार्केटकैप 93,051 करोड़ रुपए और अदाणी पोर्ट्स का बाजार पूंजीकरण 82,222 करोड़ रुपए बढ़ गया है। अदाणी ग्रीन एनर्जी का बाजार पूंजीकरण 2,44,177 करोड़ रुपए है, जबकि अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का बाजार पूंजीकरण 1,83,700 करोड़ रुपए हो गया है। समीक्षा अवधि में अदाणी ग्रीन एनर्जी का मार्केटकैप 77,000 करोड़ रुपए और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का बाजार पूंजीकरण 60,780 करोड़ रुपए बढ़ा है। अंबुजा सीमेंट का बाजार मूल्यांकन 1,13,012 करोड़ रुपए है। समूह की अन्य सूचीबद्ध कंपनियों में अदाणी टोटल गैस, एसीसी, ओरिएंट सीमेंट, सांघी इंडस्ट्रीज और एनडीटीवी शामिल हैं। इस तेजी के चलते अदाणी समूह की तीन कंपनियां बाजार पूंजीकरण के आधार पर भारत की शीर्ष 20 सूचीबद्ध कंपनियों में शामिल हो गई हैं। अदाणी पावर फिलहाल 11वें स्थान पर है, उसके बाद अदाणी पोर्ट्स 15वें और अदाणी एंटरप्राइजेज 20वें स्थान पर हैं।

हॉर्मुज स्ट्रेट खुलने के बाद भी उच्च स्तर पर रहेगी इनपुट लागत

नई दिल्ली। हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने के बाद इनपुट लागत इस साल उच्च स्तर पर रहने की उम्मीद है। इसके कारण मैन्युफैक्चरर्स को उच्च लागत का सामना करना पड़ेगा। यह जानकारी क्रिसिल की ओर से बुधवार को दी गई। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि राहत की बात यह है कि घरेलू बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे लागत को ग्राहकों को पास किया जा सकता है। हालांकि, खुदरा महंगाई आने वाले महीनों में उच्च स्तर बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, महंगाई का दबाव सबसे पहले थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) प्रतिबिंबित करेगा, लेकिन बढ़ती इनपुट लागत का असर जल्द ही उपभोक्ता कीमतों पर भी दिखने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष 2026 में, थोक महंगाई दर मात्र 0.7 प्रतिशत थी, जबकि गैर-खाद्य खाद्य पदार्थों में यह 1.1 प्रतिशत थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग में उपयोग होने वाली कुछ महत्वपूर्ण सामग्रियों की कीमतों पर पिछले वित्तीय वर्ष में भी दबाव बना रहा। वित्त वर्ष 2026 में तांबे की कीमतों में औसतन 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एल्युमीनियम की कीमतों में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दोनों ही वृद्धियां क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत के अपने दशकीय महंगाई के औसत से अधिक रहीं। रिपोर्ट में बताया गया है कि क्लस्टर किए गए डब्ल्यूपीआई श्रेणियों के आधार पर, अप्रैल में तांबे की कीमतों में 17.3 प्रतिशत, एल्युमीनियम में 20.6 प्रतिशत, कच्चे तेल से संबंधित कीमतों में 49.3 प्रतिशत और गैस से संबंधित कीमतों में 19.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों, विशेष रूप से कच्चे पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और खनिज तेलों की कीमतों में वृद्धि के साथ-साथ इस्पात, बुनियादी रसायनों, उर्वरकों, प्लास्टिक, सिंथेटिक रबर, मानव निर्मित फाइबर, प्लास्टिक उत्पादों, अलौह धातुओं और अन्य गैर-धात्विक खनिज उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग लागत में वृद्धि के कारण इनपुट लागत में तेजी से वृद्धि हुई है।

सीपीआर और 'गोल्डन आवर' के बारे में पाँच महत्वपूर्ण बातें

चंडीगढ़। मेडिकल इमरजेंसी कभी भी हो सकती है। यह कभी चेतावनी देकर नहीं आती है। चाहे हार्ट अटैक हो, सड़क दुर्घटना या फिर अचानक बेहोश होकर गिरना, मेडिकल इमरजेंसी के दौरान पहले कुछ मिनट बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। डॉ. रोहानी मल्होत्रा, कंसल्टेंट - इमरजेंसी मेडिसिन, मणिपाल हॉस्पिटल, पटियाला 'गोल्डन ऑवर' में कार्रवाई करने के महत्व के बारे में बता रहे हैं। यह इमरजेंसी के बाद पहले 60 मिनट का समय होता है, जब तुरंत कार्रवाई और सीपीआर मरीज की जान बचाने में काफी मदद कर सकते हैं। इस दौरान निम्नलिखित पाँच बातों का ध्यान रखना चाहिए: 1. गोल्डन आवर महत्वपूर्ण है: मेडिकल इमरजेंसी के बाद पहले एक घंटे का समय इलाज के नतीजों और रिकवरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए बिना देर किए तुरंत मेडिकल हैल्प प्राप्त करना बहुत जरूरी होता है 2. सीपीआर से जान बचाने में मदद मिलती है: जब व्यक्ति बेहोश होकर गिर जाता है या अचानक साँस लेना बंद कर देता है, तब कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) शरीर में तब तक खून का पंप्प और ऑक्सीजन की सप्लाई बनाए रखने में मदद करता है, जब तक मेडिकल टीम मरीज तक पहुँच न जाए। 3. हर मिनट महत्वपूर्ण होता है - अचानक कार्डियेक अरेस्ट जैसी इमरजेंसी की स्थिति में देर होने का मतलब होता है, जीवित बचने की संभावना कम होती चली जाना। इसलिए पास खड़े लोगों द्वारा तुरंत कार्डाई मरीज की जान बचाने में काफी कारगर भूमिका निभा सकती है 4. चेतावनी के संकेतों को नजरंदाज न करें: सीने में दर्द, साँस लेने में तकलीफ, अचानक कमजोरी महसूस होना, बोलने में दिक्कत, तेज रक्तस्राव या फिर बेहोश होने पर तुरंत मेडिकल सहायता मिलना जरूरी होता है। 5. तैयारी से काफी फर्क पड़ता है: सीपीआर सीखकर, इमरजेंसी नंबर पास में रखकर और बेसिक फर्स्ट एड को समझकर लोग इमरजेंसी के दौरान तुरंत कार्रवाई करने में समर्थ बनते हैं इमरजेंसी रिस्पॉन्स हॉस्पिटल में पहुँचने से काफी पहले ही शुरू हो जाता है। सीपीआर और गोल्डन आवर की जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि लोग इमरजेंसी के दौरान तुरंत कार्रवाई करके मरीजों की जान बचाने में समर्थ बनें।

ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 में किया मजबूत प्रदर्शन, ऑर्डर बुक एक अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। एस्सार ग्रुप की टेक्नोलॉजी कंपनी और अग्रणी डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस कंपनी ब्लैक बॉक्स लिमिटेड (बीएसई: 500463 एनएसई: बीबीबॉस) ने पूरे वित्त वर्ष 26 और मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए है। वित्तीय वर्ष 2026 के दौरान कंपनी ने प्रमुख वित्तीय और परिचालन मापदंडों में लगातार प्रगति दर्ज की, जिससे बेहतर मुनाफा, मजबूत नकदी प्रवाह और रणनीतिक सौदों में निरंतर प्रगति का समर्थन प्राप्त हुआ। बेहतर अवसरों की उपलब्धता, बेहतर व्यावसायिक मिश्रण और बढ़ते ऑर्डर बैकलॉग से भविष्य में निरंतर वृद्धि और विस्तार की मजबूत संभावनाएं बनती है। इस तिमाही और पूरे वर्ष के दौरान, ब्लैक बॉक्स ने प्रमुख ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना और जुड़ाव को गहरा करना जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप सौदों में निरंतर गति और निष्पादन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। कंपनी के बढ़ते ऑर्डर बैकलॉग से इसकी बेहतर व्यावसायिक प्रगति और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को और बल मिलता है। एक स्थिर परिवर्तनकारी आधार और अधिक केंद्रित व्यावसायिक रणनीति के बल पर, ब्लैक बॉक्स अपने मुख्य व्यावसायिक क्षेत्रों, विशेष रूप से डेटा सेंटर, में बढ़ती लोकप्रियता हासिल कर रहा है, साथ ही परिचालन दक्षता में सुधार और मुनाफे को बढ़ा रहा है। प्रमुख क्षेत्रों और रणनीतिक बाजारों में मजबूत ऑर्डर प्रवाह के चलते, ब्लैक बॉक्स ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में भी मजबूत व्यावसायिक गति बनाए रखी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 का समापन लगभग 792 मिलियन डॉलर (लगभग 7,000 करोड़ रुपए) के ऑर्डर बैकलॉग के साथ किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 57 प्रतिशत अधिक है। इससे राजस्व में मजबूत स्थिरता आई और वित्त वर्ष 2027 की ठोस शुरूआत के लिए व्यवसाय को तैयार किया।

सोने की कीमत लगातार दूसरे दिन कम हुई; चांदी 5,000 रुपए से अधिक सस्ती हुई

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को लगातार दूसरी बार गिरावट देखने को मिली। इससे सोने का दाम 1.56 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत करीब 2.61 लाख रुपए प्रति किलो हो गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 1,539 रुपए कम होकर 1,56,072 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,57,611 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम 1,44,372 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,42,962 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,17,054 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,18,208 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी कमजोरी देखी गई। चांदी का दाम 5,296 रुपए कम होकर 2,60,917 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,66,213 रुपए प्रति किलो था। आईबीजेए द्वारा सोने और चांदी की कीमतों को दिन में दो बार जारी किया जाता है। हाजिर के साथ-साथ वायदा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,55,530 रुपए और चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,64,509 रुपए पर आया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। खबर लिखे तक कॉमेक्स पर सोना 1.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,462 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.83 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74.44 डॉलर प्रति औंस पर थी। जानकारों के मुताबिक, निवेशक अमेरिका में आने वाले महंगाई और जीडीपी डेटा का इंतजार कर रहे हैं। इससे से सोने की आगे की दिशा तय होगी। यह दोनों डेटा 28 मई को अमेरिकी समयनुसार सुबह 8:30 बजे आने की उम्मीद है।

हवाई यात्रियों पर पड़ेगी ईंधन के बढ़ते दाम की मार

एअर इंडिया और इंडिगो ने कम की घरेलू उड़ानों की गिनती

■ एक जून से कम होगी दोनों की उड़ाने, हवाई यात्रा करने वालों को होगी परेशानी

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के बीच एअर इंडिया और इंडिगो ने बड़ा फैसला लिया है। दोनों प्रमुख एयरलाइंस 1 जून से अपनी घरेलू उड़ानों की क्षमता में कटौती करेंगी। यह कदम अगले तीन महीने तक लागू रहेगा, जिससे हवाई यात्रियों को परेशानी हो सकती है। कई सूत्रों ने इस निर्णय के पीछे विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तेज वृद्धि को मुख्य कारण बताया है। अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इसका सीधा असर एयरलाइंस की परिचालन लागत पर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, स्कूल की छुट्टियों के बाद आने वाली मौसमी मंदी भी एक प्रमुख वजह है। एयर इंडिया अपने घरेलू परिचालन में 15 फीसदी तक की कमी करेगी। वहीं, इंडिगो अपनी सेवाओं में पांच से सात फीसदी की कटौती करने की योजना बना रहा है। यह कटौती परिचालन लागत को नियंत्रित करने और नुकसान को कम करने के लिए की जा रही है। यह निर्णय यात्रियों के लिए कुछ असुविधा पैदा कर सकता है।

विमानन टरबाइन ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। यह एयरलाइंस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। अमेरिकी-ईरान युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। इसका सीधा असर एटीएफ की लागत पर पड़ रहा है। एयरलाइंस के कुल परिचालन खर्च का एक बड़ा हिस्सा ईंधन पर खर्च होता है। इस वृद्धि से कंपनियों का मुनाफा प्रभावित हो रहा है।स्कूल की छुट्टियां खत्म होने के बाद आमतौर पर हवाई यात्रा में कमी आती है। इसे मौसमी मंदी कहा जाता है। इस अवधि में यात्रियों की संख्या घट जाती है, जिससे एयरलाइंस को नुकसान होता है। क्षमता में कटौती करके एयरलाइंस अपनी लागत कम करना चाहती हैं। यह कदम उन्हें वित्तीय दबाव से निपटने में मदद करेगा। एअर इंडिया और इंडिगो दोनों ही इस अवधि में अपनी सेवाओं को अनुकूलित कर रही हैं।

ऋण बाजार की सूरत बदलने के लिए सेबी जल्द उठाएगी अहम कदम

कॉरपोरेट बॉन्ड में लागू होगा नया टोकन सिस्टम

■ कॉरपोरेट बॉन्ड्स के कारोबार और उसके सेटलमेंट को तेज व सुरक्षित बनाएगी नई प्रणाली

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। ऋण बाजार की सूरत बदलने के लिए सेबी एक बड़ा तकनीकी सुधार करने जा रहा है। सेबी ने कॉरपोरेट बॉन्ड्स के कारोबार और उसके सेटलमेंट को तेज व सुरक्षित बनाने के लिए डिजिटल लेजर टेक्नोलॉजी (डीएलटी) पर आधारित टोकनाइजेशन का पायलट प्रोजेक्ट लॉन्च करने का फैसला किया है। सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडेय के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने में 6 से 9 महीने का समय लगेगा।

उन्होंने निवेशकों को इसके जोखिम के प्रति भी आगाह किया। भारत में बॉन्ड्स की खरीद बिक्री बहुत कम होती है। तरलता कम होने के कारण निवेशकों के लिए समय से पहले बाजार से सुरक्षित बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है।

इसका मतलब वित्तीय प्रतिभूतियों को ब्लॉकचेन या डिजिटल लेजर इंफ्रास्ट्रक्चर पर डिजिटल टोकन के रूप में बदलना है। जब किसी बॉन्ड को टोकन का रूप दिया जाता है, तो उसका सेटलमेंट तुरंत और पूरी तरह स्वचालित हो जाता है।

इसके जरिये बॉन्ड्स के छोटे हिस्से बेचे जा सकते हैं। सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी इन्सोलेशन एनर्जी लि. (आईएनए सोलर) ने वित्त वर्ष 2025-26 में दमदार प्रदर्शन करते हुए 2163.52 करोड़ रुपये का टर्नओवर दर्ज किया। कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 200.47 करोड़ रुपये हो गया। प्रति शेयर आय इस वर्ष 9.10 रुपये रही। कंपनी के चेयरमैन मनीष गुप्ता एवं एमडी विकास जैन ने कहा, कंपनी वर्तमान में 5.5 गीगावाट की मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग क्षमता के साथ देशभर में अपने नेटवर्क एवं उत्पादन क्षमताओं का विस्तार कर रही है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और भारतीय रुपये की कमजोरी का सीधा असर बुधवार को घरेलू शेयर बाजार पर देखने को मिला। दिन भर चले भारी उतार-चढ़ाव के बाद बाजार लाल निशान पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों के बीच सतर्कता का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक संकट और मुद्रा बाजार के दबाव ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि घरेलू बाजार विदेशी घटनाओं से पूरी तरह अछूते नहीं रह सकते।

बुधवार के कारोबारी सत्र के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 141.90 अंक यानी 0.18 प्रतिशत लुढ़ककर 75,867.80 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 6.55 अंक यानी 0.03 प्रतिशत टूटकर 23,907.15 के स्तर पर आ गया। बाजार में दिन भर खरीदारी और बिकवाली के बीच भारी खींचतान चलती रही, लेकिन वैश्विक संकेतों के कमजोर होने के कारण अंततः बिकवाली का दबाव हावी रहा। रुपया डॉलर के मुकाबले 1 पैसा बढ़कर 95.69 (अस्थायी) पर स्थिर रहा।बाजार के इस गिरावट भरे माहौल में सबसे ज्यादा नुकसान देश के प्रमुख ऋणदाता एचडीएफसी (एचडीएफसी) बैंक के शेयरों को उठाना पड़ा। 45 करोड़ रुपये के ब्याज भुगतान से जुड़ी एक आंतरिक जांच की रिपोर्ट सामने आने के बाद निवेशकों के बीच काफी घबराहट फैल गई।

इसके चलते सेंसेक्स पर एचडीएफसी बैंक के शेयर 'टॉप लूजर' (सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयर) साबित हुए और इनमें करीब 3 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।हालांकि, बड़े शेयरों (लार्ज-कैप) में आई इस सुस्ती और दबाव के बावजूद बाजार में सब कुछ निराशाजनक नहीं रहा।

जापान ने भारतीय आम के आयात पर लगाई रोक

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। इन दिनों दुनियाभर के ज्यादातर देश समुद्री व्यापार से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। भारत को भी खासा नुकसान देखने को मिला है।

अब भारत के एक्सपोर्ट को लेकर एक और बड़ी खबर आई है। अब जापान ने भारत से आने वाले आम की प्रीमियम किस्मों के आयात पर रोक लगा दी है।

इस बार मामला ना स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज का है ना ही किसी देश के जमीनी झगड़े का। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय आमों का आयात रोकने का फैसला गुणवत्ता मानकों में पाई गई कमियों के कारण लिया गया है। दरअसल मार्च में जापान के प्लांट क्वारंटाइन अधिकारियों ने इंस्पेक्शन के लिए भारतीय ट्रीटमेंट सेंटर्स का दौरा किया था, जहां फ्यूमिगेशन और उससे जुड़े उपायों में कमियां पाई गई थीं। बता दें कि फ्यूमिगेशन जहरीली गैस से कीड़े मारने का तरीका होता है। बता दें कि कि योकोहामा प्लांट प्रोटेक्शन एसोसिएशन की ओर से 31 मार्च को जारी एक बयान में जापान के सरकारी 'प्लांट प्रोटेक्शन स्टेशन' की एक अधिसूचना का हवाला देते हुए ये कहा गया कि 25 मार्च, 2026 या उसके बाद भारत की ओर से जारी किए गए निरीक्षण प्रमाण पत्रों वाली खेप को को प्रवेश नहीं किया जाएगा।

बयान में ये भी कहा गया कि जब तक टोक्यो में बैठे अधिकारी भारत में परिचालन मानकों के सुधार से संतुष्ट नहीं हो जाते तब तक आयात नहीं होगा। बता दें कि जापान भारत के आमों का बड़ा खरीददार देश रहा है।

बायजू के संस्थापक को सिंगापुर में जेल की सजा

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत की कभी सबसे सफल मानी जाने वाली एडटेक कंपनी बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा घटनाक्रम में सिंगापुर की एक अदालत ने उन्हें अदालत की अवमानना का दोषी मानते हुए छह महीने जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला रवींद्रन के लिए एक बहुत बड़ा झटका है, जो पहले से ही भारी आर्थिक संकट और विदेशी निवेशकों के कानूनी दावों का सामना कर रहे हैं। यह पूरा मामला रवींद्रन की संपत्तियों और अदालती आदेशों की अनदेखी से जुड़ा हुआ है। सिंगापुर की अदालत ने स्पष्ट किया है कि रवींद्रन ने अप्रैल 2024 से अपनी संपत्तियों से संबंधित कई अदालती आदेशों की जानबूझकर अवहेलना की है। इन आदेशों का पालन न करने के कारण ही उन्हें अदालत की अवमानना का दोषी पाया गया और छह महीने की जेल की सजा तय की गई। सजा के अलावा, अदालत ने रवींद्रन पर आर्थिक दंड भी लगाया है। उन्हें कानूनी खर्च के तौर पर 90,000 सिंगापुर डॉलर (लगभग 70,500 अमेरिकी डॉलर) का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, अदालत ने उन्हें तत्काल प्रभाव से संबंधित अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने को कहा है। अदालत ने केवल सजा और जुर्माने पर ही बात खत्म नहीं की है, बल्कि उन्हें अपनी कुछ संपत्तियों का हिसाब देने को भी कहा है। रवींद्रन को अब ऐसे कानूनी दस्तावेज सौंपने होंगे जो यह साबित कर सकें कि 'बीएआर इन्वेस्टको पीटीई' (Beeaar Investco Pte) के वे ही असली और कानूनी मालिक हैं। बता दें कि यह एक कॉरपोरेट इकाई है जिसके पास एक अन्य संबंधित कंपनी के शेयर मौजूद हैं।

इस कानूनी लड़ाई में कतर होल्डिंग्स का प्रतिनिधित्व 'ड्रू एंड नेपियर' कर रहे हैं, जबकि बायजू इन्वेस्टमेंट्स का पक्ष 'फरवेंट चैंबर्स' रख रहे हैं। रवींद्रन के लिए यह सजा ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर के कई विदेशी निवेशक उनसे अपने नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे हैं। अमेरिका में भी ऋणदाता 1.2 अरब डॉलर के उस बड़े लोन के डूबने के बाद अपना पैसा वापस पाने के लिए कड़ी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके अलावा, सिंगापुर की कानूनी प्रणाली में उनके खिलाफ कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की एक अनुषंगी कंपनी भी सक्रिय रूप से मामला चला रही है। कतर के इस सॉवरेन वेल्थ फंड ने कंपनी में उस मुश्किल समय में पैसा लगाया था, जब यह एडटेक फर्म कर्मचारियों की छंटनी कर रही थी। एक दौर था जब एजुकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (जिसे बायजू के नाम से जाना जाता है) ने रवींद्रन को अरबपति बना दिया था और भारतीय स्टार्टअप्स के लिए एक मिसाल कायम की थी। फिलहाल, इस ताजा अदालती फैसले पर रवींद्रन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि वे अभी सिंगापुर में मौजूद हैं या कहीं और। सिंगापुर की अदालत द्वारा छह महीने की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद बायजू के संस्थापक बायजू रविंद्रन ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इस पूरे घटनाक्रम पर गहरी निराशा व्यक्त की है।

अब महंगी मिलेगी ट्रेन में थाली, सेंट्रल रेलवे ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। ट्रेन से सफर करने वालों को एक बड़ा झटका लगा है। अब रेलवे स्टेशनों पर मिलने वाला खाना उस रेट पर नहीं मिलेगा, जिस रेट पर अभी तक मिलता रहा है।

सेंट्रल रेलवे ने खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। यह बढ़ोतरी तेल और गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के चलते की गई है। नई दरें 1 जून 2026 से लागू होंगी।

नई दरों के अनुसार, 50 ग्राम आलू वड़ा की कीमत 15 रुपये होगी, जबकि इसके साथ मिलने वाले पाव की कीमत 5 रुपये प्रति पीस होगी। वेज समोसा, वेज पफ और साबूदाना वड़ा जैसे लोकप्रिय स्नैक्स अब 20 रुपये प्रति पीस मिलेंगे।

पाव भाजी और वेज पिज्जा की कीमत 50 रुपये प्रति पीस तय की गई है।

साधारण वड़ा पाव, जिसकी कीमत पहले Rs.13 थी, अब Rs.20 होगी, जो लगभग 54% की बढ़ोतरी है।

एचएमएसआई ने उत्तर भारत में 10 मिलियन बिक्री का आंकड़ा पार किया

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज घोषणा की कि उसने उत्तर भारत में कुल 10 मिलियन टू-व्हीलर की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे देश के सबसे बड़े और सबसे अलग-अलग तरह के मोबिलिटी मार्केट में से एक में उसकी मजबूत मौजूदगी और मजबूत हुई है। एफ वाय 26 में एचएमएसआई की कुल बिक्री में उत्तर भारत का हिस्सा लगभग 15% है, जो कंपनी के लिए एक अहम मार्केट के तौर पर इसकी अहमियत को दिखाता है। [एचएमएसआई इंटरनल डेटा] दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में फैला उत्तर क्षेत्र, एचएमएसआई की ग्रोथ जर्नी में अहम भूमिका निभा रहा है। एफ वाय 26 में, एचएमएसआई ने इस क्षेत्र में 110 सीसी सेगमेंट में बेचे गए हर चार स्कूटर* में से लगभग तीन स्कूटर बेचे, जो रोजाना की मोबिलिटी में कंपनी की लीडरशिप को दिखाता है। कंपनी का इस क्षेत्र में 125 सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट में भी मजबूत मार्केट शेयर है, जिससे अहम कम्प्यूटर कैटेगरी में उसकी स्थिति और मजबूत हुई है। [*होलसेल डेटा] कस्टमर सैटिस्फैक्शन के अपने कमिटमेंट को मजबूत करते हुए, एचएमएसआई नॉर्थ रीजन में 1,000^ से ज्यादा कस्टमर सर्विस टचपॉइंट्स के मजबूत नेटवर्क के जरिए भरोसेमंद सपोर्ट देता है। [एचएमएसआई इंटरनल डेटा] इस माइलस्टोन पर कमेंट करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के सेल्स एंड मार्केटिंग डायरेक्टर, मिस्टर मुत्सुओ उसुई ने कहा: 'नॉर्थ इंडिया में 10 मिलियन माइलस्टोन तक पहुंचना दिखाता है कि टू-व्हीलर्स इस इलाके में, खासकर बड़े शहरी सेंटर्स से आगे, रोजाना की मोबिलिटी में कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। हमारा फोकस समय के साथ लगातार एक्सेस और रिलायबिलिटी बनाने पर रहा है, और हम देखते हैं कि कस्टमर्स की उम्मीदें बदलने के साथ यह जारी रहेगा।' आगे देखते हुए, एचएमएसआई अपने बिगविंग प्रीमियम नेटवर्क को बढ़ाकर और कस्टमर्स की बदलती उम्मीदों को पूरा करने के लिए अपने मिड-साइज और हायर-डिस्प्लेसमेंट मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को बढ़ाकर नॉर्थ इंडिया में अपनी प्रेजेंस को मजबूत करेगी।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC008623.
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.06.2026 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुनः सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (ऊपर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

चिथानी, चिथानी, 0119170700034883, 6333, 6658, 6691, 6740, 6970, 7151, 0119170730030548, 0570, 0121, चरखी दादरी, 0138050700003624, 3626, 0138050730006643, 6658, 6850, 7414, 7483, दीनोद गेट भिवानी, 0138570700004322, 4572, 4687, 4695, 5173, 0138570730007147, 7346, 7401, 7419, 7434, 7561, फतेहाबाद, फतेहाबाद, 0129250700034578, 0129250730015838, 7331, टोहाना फतेहाबाद, 0129690700021812, 5151, 5209, 5240, 5309, 5337, 5338, 5808, 0129690730032521, 2945, हिसार, हांसी हिसार, 0131230700024837, 5069, 5084, 5085, 5089, 5144, 5167, 5185, 5294, 5382, 5500, 5801, 5896, 5899, 5945, 5982, 6030, 6051, 6176, 6217, 6930, 6943, 0131230730020694, 1454, 1506, 1798, 2358, 3456, रेड स्क्वेयर मार्केट, 0123360700034157, 4566, 6078, 6236, 6274, 6578, 6630, 6730, 7132, 7622, 7642, 0123360730049057, 0211, 1831, 1961, 0107, हिसार, हिसार, 0118710700033518, 4035, 4343, 4839, 4851, 5012, 5025, 5038, 5044, 5052, 5105, 5122, 5259, 5281, 5351, 5402, 5423, 5424, 6012, 6078, 0118710730026443, 6677, 6814, 7135, 7320, 7707, 8069, 8172, 8601, 8731, 9512, 9800, 9815, 0169, 0018, जींद, घचलान नगर जींद, 0130840700025516, 5523, 0130840730037882, 0096, जींद, 0119740700028535, 9480, 9556, 9759, 9946, 9980, 0119740730021529, 2064, रेलवे रोड सफीदों, 0130760700016539, 7200, 7832, 8134, 8256, 8259, 8266, 8307, 8573, 0130760730010789,

ऊपर बताई गई गिरवियों में हिस्सा लेने के इच्छुक व्यक्तियों को नीचे दी गई बातों का पालन करना होगा: इच्छुक बोली लगाने वालों को नीलामी के दिन ही एनईएफटी/आरटीजीएस के जरिए 10,000/- रुपये ईएमडी (जो बोली हारने वालों को वापस कर दिया जाएगा) जमा करना होगा बोली लगाने वालों के पास वैध आईडी कार्ड/पैन कार्ड होना चाहिए ज्यादा जानकारी के लिए कृपया 9072607147 पर संपर्क करें।

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.